केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 278 बुधवार 7 मई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

चार थानों में महिला हेल्प डेस्क शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए मंगलवार को चार थाना क्षेत्रों में पिंक बूथ की शुरुआत की गई। कोतवाली, हरैया, नगर और रूधौली थानों में स्थापित इन बूथों का उद्घाटन मिशन शक्ति योजना के तहत किया गया।

कोतवाली थाना परिसर में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एडीजी के. एस. प्रताप कुमार ने दीप प्रज्वलन के साथ पिंक बूथ का उद्घाटन किया। इन बूथों में महिला परामर्श केंद्र भी शामिल किए गए हैं। पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर परामर्श, सहायता और सुरक्षा मिलेगी।

हरैया थाना में अपर पुलिस अधीक्षक ओ. पी. सिंह ने पिंक बूथ का उद्घाटन किया। थानों को गुलाबी गुब्बारों और फूलों से सजाया गया। सीओ सदर सतेंद्र भूषण तिवारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

एडीजी प्रताप कुमार ने कहा कि पिंक बूथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस प्रशासन इस पहल को पूरी तत्परता से लागू कर रहा है। ये बूथ महिलाओं को सुरक्षा और आत्मविश्वास प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में डीआईजी दिनेश पी., एसपी अभिनंदन और सीओ सदर सतेंद्र भूषण तिवारी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने मिशन शक्ति को सफल बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

मुख्यमंत्री योगी के सचिव दिल्ली बुलाये गये

लखनऊ (आमा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काशी में जिलाधिकारी और कमिश्नर दोनों रहे आईएएस कौशल राज शर्मा दिल्ली बुला लिए गए हैं। 14 दिन पहले ही उनका वाराणसी से तबादला लखनऊ करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना सचिव बनाया था। लखनऊ आने के एक पखवारे के अंदर ही उनकी जिम्मेदारी बदलने का फरमान आ गया है। कौशल राज शर्मा को प्रतिनियुक्ति पर एजीएमयूटी कैडर में बुलाया गया है। माना जा रहा है कि दिल्ली में उन्हें बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। उन्हें फिलहाल तीन साल के लिए प्रतिनियुक्ति मिली है। 2006 बैच के अफसर कौशल राज शर्मा की नजदीकियां पहले से पीएमओ से रही हैं।

सात थीम पर आधारित होगा योग दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से इंडियन योग एसोसिएशन उत्तर प्रदेश चौप्टर ने इस बार विशेष खाका तैयार किया है। इस बार आईवाईए के चेयरपर्सन पियूष कांत मिश्र, सेक्रेटरी अमित के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में सात प्रमुख आयोजन किये जाएंगे। इस बार योग दिवस की थीम वन अर्थ, वन हेल्थ पर आधारित है।

आईवाईए के पूर्वी जोन अध्यक्ष डॉ. नवीन सिंह ने योग दिवस पर होने वाले आयोजनों की जानकारी देते हुए बताया कि 21 जून को 'योग संगम' का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के प्रत्येक जिले में सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) पर आधारित योग सत्र में आईवाईए के सदस्य अपने क्षेत्रों में योग संगम आयोजनों का समर्थन और संचालन करेंगे।

मुक्त व्यापार समझौते पर सहमत हुए भारत- ब्रिटेन

नई दिल्ली (आमा)। भारत और ब्रिटेन मंगलवार को मुक्त व्यापार समझौते पर सहमत हो गए हैं। इसके बाद दोनों देशों ने एक व्यापक व्यापार समझौते की घोषणा की है, जो अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर से टैरिफ हटाने का प्रावधान करता है। यह कदम नई दिल्ली और अमेरिका सहित अन्य देशों के बीच इसी तरह के समझौतों के लिए आगे की राह खोल सकता है। इस समझौते के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर इसे ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा इससे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, अपने मित्र प्रधानमंत्री स्टारमर से बात करके बहुत खुशी हुई। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारत और यू.के. ने एक महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के साथ–साथ एक दोहरे योगदान सम्मेलन को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। ये ऐतिहासिक समझौते हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे, तथा हमारी दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन और नवाचार को बढ़ावा देंगे। मैं जल्द ही प्रधानमंत्री स्टारमर का भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हूँ।

पहलगाम हमले पर संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान से पूछे कड़े सवाल

नयी दिल्ली (आमा)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में एक बंद दरवाजे वाली बैठक में पाकिस्तान से कहा कि उसे भारत के साथ द्विपक्षीय संवाद के जरिए अपने मतभेदों का समाधान करना चाहिए और पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए निर्दोष पर्यटकों के नरसंहार की जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। इस बैठक में पाकिस्तान से यह भी पूछा गया कि क्या पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह लश्कर–ए–तैयबा इस हमले में शामिल था।

बैठक में सभी 15 यूएनएससी सदस्य देशों ने हिस्सा लिया, जिनमें पांच स्थायी और दस अस्थायी सदस्य शामिल थे, जिनमें पाकिस्तान भी था, जो वर्तमान में सुरक्षा परिषद में दो साल की अवधि के लिए सेवा दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस अनौपचारिक सत्र में यूएनएससी के सदस्यों ने पाकिस्तान से कठोर सवाल किए। पाकिस्तान द्वारा इस स्थिति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने के प्रयास विफल हो गए, क्योंकि सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों ने दोहराया कि भारत और पाकिस्तान को अपनी समस्याओं का समाधान द्विपक्षीय तरीके से करना चाहिए।

केक काटकर मनाया गया बस्ती का स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती जनपद का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रेस क्लब समागार में आयोजित एक भव्य समारोह में केक काटा गया और संगीत की धुन पर लोगों ने बोला हैप्पी बर्थडे बस्ती। बस्ती का थीम सांग नगर है यह खास नाम इसका बस्ती बजा तो पूरा समागार झूम उठा। बस्ती के विकास और जनपद वासियों के प्रगति तथा खुशहाली की कामना की गई।

कार्यक्रम संयोजक एवं उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने बस्ती के गौरवशाली इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि साहित्य, कला और त्याग बलिदान जिले की माटी में रचा बसा है। उन्होंने बस्ती के जन्मदिन पर जनपद का नाम बदलकर वशिष्ठ नगर किए जाने का दृढ़ संकल्प दोहराया। उन्होंने समाजसेवियों और आम जन से वशिष्ठ नगर नामकरण अभियान से जुड़ने की अपील किया। इसके पूर्व नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने बस्ती मण्डल के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर पुष्प अर्पित किया। उन्होंने सभी को जनपद के स्थापना दिवस पर बधाई दिया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने बस्ती की गाथा सुनाकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। कवि राम कृष्ण लाल जगमग ने अपने दुमदार दोहों से खूब वाहवाही बटोरी। डॉ वी के वर्मा, अर्चना श्रीवास्तव, सुशील सिंह, धनश्याम सिंह,चंद्र मोहन लाल बाल कवि हिमांशु शेखर मिश्र ने अपनी रचनाओं सुनाई। इस अवसर पर अश्वनी राज, शतेंद्र श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सरिया लदे दो ट्रैक्टरों पर कार्रवाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्राइवेट वाहन द्वारा व्यवसायिक कार्यों का उपयोग किये जाने वाले वाहनों के विरुद्ध मंगलवार को जनपद में सघन अभियान चलाया गया। गोरखपुर से बस्ती की ओर आ रही सरिया से लदी दो ट्रैक्टर जिसका पंजीयन चिन्ह UP53EW-0975 एवं UP53EX-1569 है जो अंकुर उद्योग लि0, गीडा सहजनवॉ, गोरखपुर से सरिया लेकर बस्ती जा रही थी, को मार्ग चेकिंग के दौरान पकड़े जाने पर शासकीय राजस्व की क्षति एवं आम जनमानस के जान–माल के खतरे को देखते हुए चौकी फुटहिया, थाना नगर मे निरुद्ध कर दिया गया है जिस पर प्रथम दृष्टया लगभग 70000– रू0 प्रति वाहन का जुर्माना आरोपित किया गया।

सहायक सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन ने बताया कि इस अभियान के दृष्टिगत जनपद के सभी प्राइवेट वाहन स्वामियों से अपील की गयी है कि किसी भी प्राइवेट वाहन का उपयोग व्यवसायिक कार्य हेतु कदापि न करें अन्यथा प्राइवेट वाहन का कामर्शियल उपयोग करते हुए पाये जाने पर नियमानुसार प्रवर्तन की कार्यवाही की जायेगी।

विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन के मण्डल अध्यक्ष बने ईष्टदेव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव आनन्द जायसवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सिंह रघुवंशी की संस्तुति पर ईष्टदेव पाण्डेय को बस्ती मण्डल का मण्डलीय जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है।

ईष्टदेव पाण्डेय को विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन का मण्डल अध्यक्ष बनाये जाने पर अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, व्यापारी नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धेश कुमार ने कटेश्वर पार्क के निकट ईष्टदेव पाण्डेय का स्वागत करते हुये कहा कि निःसन्देह उनके नेतृत्व में व्यापारियों की आवाज मुखर होगा, उत्पीड़न रूकेगा और समस्याओं के हल निकलेंगे।

यह जानकारी देते हुये एसोसिएशन जिलाध्यक्ष आशीष स्वामी उर्फ कल्लू बाबा ने बताया कि ईष्टदेव पाण्डेय को विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन का मण्डल अध्यक्ष बनाये जाने पर पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा, महेश शुक्ल, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, ओमप्रकाश ठाकुर, सतीश सोनकर, राजन ठाकुर, विकास चौधरी, विकास बरनवाल, मनोज गुप्ता, राजन सोनी, रामकुमार साहू, अशोक गुप्ता, दिनेश गुप्ता, रामकुमार पाण्डेय, सत्यव्रत दूबे, बृजबिहारी, रमेश सिंह, लक्ष्मी नारायण, राम सुरेश, चमन कुमार, ब्रम्हर्षि उपाध्याय, चकपाणि दूबे, बब्लू गुप्ता, शुभम गुप्ता, रजत गुप्ता, बहरैची, रतन निषाद के साथ ही भाजपा और अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

बस्ती जनपद के 160 वें स्थापना दिवस पर संगोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में बस्ती जनपद का 160 वां स्थापना दिवस संगोष्ठी के साथ मनाया गया।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि बस्ती स्वयं में आध्यात्म, साहित्य और प्रगति के विविध आयाम समेटे हुये है। सन् 1801 में बस्ती तहसील मुख्यालय बना और फिर 6 मई 1865 को जनपद मुख्यालय बनाया गया। इसके बाद सन् 1988 में उत्तरी हिस्से को काटकर सिद्धार्थनगर जिला बनाया गया जिसे पहले डुमरियागंज नाम से जाना जाता था, इस जिले में बांसी और नौगढ़ भी आते हैं, यहां कपिलवस्तु भी हैं, जहां बुद्ध ने अपने जीवन के शुरुआती समय व्यतीत किये थे, यहां से 10 किलोमीटर पूर्व लुंबनी में बुद्ध का जन्म हुआ था। कहा कि बस्ती स्वयं में कई संस्कृतियों को समेटे हुये है।

सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णदेव मिश्र, समिति के अध्यक्ष बी. एन. शुक्ल ने बस्ती के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। ने कहा कि कभी 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने कहा था कि बस्ती को बस्ती कहूं तो काको कहूं उजाड़' आज यही बस्ती निरन्तर विकास की ओर है। कहा कि बस्ती का इतिहास बहुत समृद्ध है और मखौड़ा, छावनी शहीद स्थली के साथ ही अनेक पौराणिक स्थल हैं जो इसकी पहचान है। कहा कि सन् 1997 में पूर्वी हिस्से को काटकर संतकबीरनगर जिला बनाया जिसे खलीलाबाद के नाम से भी जाना जाता है, यहां महात्मा कबीर ने प्राण त्यागे थे। इसके बाद जुलाई 1997 में बस्ती मंडल मुख्यालय बना दिया गया। फिलहाल इस मंडल में बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर जनपद आते हैं। जनपद निरन्तर प्रगति की ओर है।

कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि बस्ती का इतिहास जहां समृद्ध है वहीं वर्तमान प्रगति की ओर है। प्राचीन काल में बस्ती को भगवान राम के गुरु वशिष्ठ ऋषि के नाम पर वशिष्ठी के नाम से जाना जाता रहा। कहा जाता है कि उनका यहां आश्रम था, अंग्रेजों के जमाने में जब यह जिला बना तो निर्जन, वन और झाड़ियों से घिरा था, लोगों के प्रयास से यह धीरे–धीरे बसने योग्य बन गया।

बस्ती जनपद के 160 वां स्थापना दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' पं. बी.के. मिश्र, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, डा. वाहिद सिद्दीकी, डा. अफजल हुसेन अफजल, राघवेन्द्र शुक्ल, डा. विकास भट्ट, अजीत श्रीवास्तव, सुशील सिंह पथिक, डा. राजेन्द्र सिंह राही, पं. सदानन्द शर्मा, जगदम्बा प्रसाद भावुक, आचार्य छोटेलाल वर्मा सुशील सिंह पथिक, बालकृष्ण चौधरी एडवोकेट आदि ने बस्ती के इतिहास पर रोशनी डाली।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से लालजी पाण्डेय, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, दीनानाथ यादव, सामईन फारूकी, नेबूलाल चौधरी, श्रीकान्त तिवारी, रामयज्ञ मिश्र, गणेश प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद बरनवाल, प्रदीप श्रीवास्तव एडवोकेट के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

जेल से जिला अस्पताल पहुंचे पूर्व विधायक संजय जायसवाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में वर्ष 2003 में एमएलसी चुनाव के मतगणना कक्ष में घुसकर मारपीट और मतपत्र लूटने के मामले में निचली अदालत से तीन साल की हुई सजा के बाद जेल में निरुद्ध बंदी पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें आनन–फानन में जिला कारागार से जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। आर्थो सर्जन, चेस्ट फिजीशियन और फिजीशियन की देखरेख में इलाज चल रहा है। जिला अस्पताल के प्राइवेट वार्ड दो में भर्ती बंदी संजय प्रताप जायसवाल के पीठ में तेज दर्द और न्यूरो के साथ रीढ़ की हड्डी में दर्द की समस्या होने पर जिला कारागार प्रशासन ने पहले स्थानीय अस्पताल में उपचार कराया। हालत में सुधार नहीं होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यहां जिला कारागार के बंदी वाहन में बैठाकर जिला अस्पताल लाया गया। इमरजेंसी में ट्रीटमेंट के बाद उन्हें प्राइवेट वार्ड में भर्ती कर दिया गया।

उद्योगबंधु की बैठक में उठे मुद्दे: तय होगी जबाबदेही

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला उद्योग बन्धु समिति की कलेक्ट्रेट समागार में आयोजित बैठक में अध्यक्षता करते हुए मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने कहा कि समिति में शामिल अधिकारीगण निवेश मित्र पोर्टल का नियमित पर्यवेक्षण करते रहे। किसी भी दशा में पोर्टल पर प्रकरण लम्बित नही रहना चाहिए अन्यथा की स्थिति में संबंधित अधिकारी की जवाब देही तय की जायेगी। उद्यमीगणों के अनुरोध पर उन्होने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि अगले कार्य बैठक में पुलिस विभाग को भी बैठक में आमंत्रित किया जाय। उन्होने बैंकों के स्तर पर लम्बित प्रकरणों के लिए एलडीएम को निर्देशित किया कि प्रकरण को निस्तारित करने में लापरवाही बरतने वाले शाखा प्रबंधको की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके उच्चाधिकारी को अवगत कराये, पत्राचार करे तथा अधतन स्थिति से 15 दिवस के भीतर उन्हें भी अवगत करायें।

उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप ने बताया कि संबंधित विभागों द्वारा निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जा रहा है। उन्होने अबतक की प्रगति के संबंध में अवगत कराया कि माह अप्रैल में प्राप्त 3159 प्रकरणों में से 2884 प्रकरणों का निस्तारण कराया गया, 186 आवेदन पत्र पर निरस्तीकरण की कार्यवाही की गयी तथा 43 आवेदन पत्रों की जॉच की जा रही है एवं 56 आवेदन पत्र विभिन्न विभागों में विचाराधीन है।

उन्होने बताया कि उद्यमियों व स्वरोजगारियों को आर्थिक विकास हेतु कुल 50 समितियों का गठन किया जाना है, जिसमें 06 समितियों गठित हो चुकी है, जबकि 44 समितियों का गठन अभी शेष है। बैठक में पीडी राजेश कुमार, जीएसटी कमिश्नर उपेन्द्र यादव, एलडीएम आर. एन. मौर्या, जिला सेवा योजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप सिंह, ईओ नगरपालिका अंगद कुमार, अधिशासी अभियन्ता विद्युत मनोज कुमार, अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4 राकेश कुमार गौतम, चेम्बर्स आफ कामर्स के अध्यक्ष अशोक सिंह, महामंत्री हरिश्चन्द्र शुक्ल, इण्डस्ट्रियल डेवलपमेण्ट एसोसीएशन के अध्यक्ष अनिल सिंह रैकवार, उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष जगदीश अग्रहरि, सहित संबंधित अधिकारी, बैंको के प्रतिनिधि, समिति के सदस्य व उद्यमीगण उपस्थित रहे।

मुसलमानों के हित में है वक्फ कानून– सहजानन्द

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वक्फ सुधार जन जागरण अभियान के अंतर्गत मंगलवार को ब्लाक रोड स्थित एक होटल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय रहे। उन्होंने वक्फ कानून में किए गए संशोधन को मुस्लिम समाज, विशेष रूप से गरीब मुस्लिमों के हित में बताया।

सहजानंद राय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ कानून में संशोधन कर यह सुनिश्चित किया है कि गरीब मुस्लिमों को उनकी वाजिब संपत्ति और अधिकार मिल सकें। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि ये दल केवल मुस्लिम वोटों का इस्तेमाल करते रहे हैं, लेकिन उनके विकास के लिए कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

राय ने कहा कि आज प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना जैसी सभी केंद्रीय योजनाओं का लाभ मुस्लिम समाज को भी बराबरी से मिल रहा है। उन्होंने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा कि देश के सभी समुदाय हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एक साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ खड़े हैं।

जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने भी मुस्लिम समाज से वक्फ संशोधन बिल को पढ़ने और समझने की अपील की। उन्होंने सवाल उठाया कि अब तक वक्फ संपत्तियों से आम मुसलमानों को कितना लाभ मिला है और आश्वस्त किया कि संशोधन से अब वास्तविक लाभ मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक अनूप खरे ने किया।

इस अवसर पर खादिम हुसैन, बब्बू खान, आलम चौधरी, रियाजुल हसन, रशीद अहमद, रहमान खान, रज्जब खान, मौलाना हामिद रजा, मुहर्रम अली, अकरम खान, अफसर अली, हाजी इदू अली, निसार अहमद, अली हुसैन, एजाज हसन, दयाराम चौधरी, अजय सिंह गौतम, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, पवन कसौधन, महेश शुक्ल, गोपेश्वर त्रिपाठी, राकेश श्रीवास्तव, अनिल दुबे, गजेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र पाठक, भानु प्रकाश मिश्र, अमृत कुमार वर्मा, अरविन्द पाल, रघुनाथ सिंह, चन्द्रशेखर मुन्ना, अंकुर वर्मा, ब्रह्मदेव यादव, विनय यादव, रोली सिंह, अलोक पाण्डेय, गौरव अग्रवाल, अनिल पाण्डेय, अमजद अली, ताहिर अंसारी, मो.जानू, दिलीप पाण्डेय, मनोज सिंह, श्रुति कुमार अग्रहरी एजाज हसन, नफीसुल हसन, अकबर खान, अल्ताफ खान, वसीम अंसारी, हबीब खान, नुरूल शाह, नईम अंसारी, मोहम्मद नसीम, वसीम शेख सहित अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

व्यापारियों ने नगर पालिका ईओ पर लगाया अभद्रता का आरोप:डीएम को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को व्यापारियों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल जिलाध्यक्ष सुनील गुप्ता के संयोजन में जिलाधिकारी को पत्र सौपकर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता द्वारा कोतवाली थाना क्षेत्र के बभनगांवा निवासी प्रसिद्ध स्वर्ण व्यापारी खुनखुन ज्वेलर्स के आनन्द कुमार सोनी पुत्र ओमप्रकाश सोनी के साथ अभद्र व्यवहार किये जाने के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग किया।

वरिष्ठ व्यापारी नेता सूर्य कुमार शुक्ल ने बताया कि जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से सुना और एडीएम को मामले की जांच सौपी है। कहा कि अभद्र व्यवहार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी उत्पीड़न की अपनी शैली बदले वरना व्यापारी आन्दोलन को बाध्य होंगे।

डीएम को दिये पत्र में कहा गया है कि कोतवाली थाना क्षेत्र के बभनगांवा निवासी आनन्द कुमार सोनी गत 5 मई को सुबह लगभग 8 बजे अपने घर के सामने साफ–सफाई का कार्य कर रहे थे कि नगर पालिका बस्ती के ईओ0 ने कहा कि इतने बड़े व्यवसायी हो झाड़ू लगा रहे हो शर्म नही आ रही है। मुझे प्रतिमाह सुविधा शुल्क पहुँचा दिया करो मैं नगर पालिका के कर्मचारियों से साफ–सफाई करवा दिया करूंगा। जब उनके अपमान जनक लहजे पर आपत्ति किया तो उक्त व्यक्ति आग बबूला हो गया और गाली गलौज देने लगा। और कहा कि तुम्हारे साथ अब जो होगा उसकी तुमने कल्पना भी नहीं किया होगा। घटना क्रम सी०सी०टी०वी कैमरे में भी रिकार्ड है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान खुनखुन ज्वेलर्स के आनन्द कुमार सोनी, सतीश सोनकर आदि शामिल रहे।

इस सम्बन्ध में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता का कहना है कि आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद और मनगढन्त हैं, सफाई होने कूड़ा उठ जाने के बाद आनन्द कुमार सोनी झाड़ू लगाकर अपने घर के सामने का कूड़ा सड़क पर डाल रहे थे जिस पर उन्हे रोका गया और सहयोग की मांग किया गया जिस पर वे भड़क गये।

–आरोप निराधार–ईओ– अंगद गुप्ता

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 मई 2025 बुधवार

सम्पादकीय

सोशल मीडिया पर मनमानी

मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ नफरत न फैलाने की अपील करने वाली हिमांशी नरवाल और एक बच्ची से दरिंदगी के खिलाफ सड़क पर उतरे लोगों की मर्यादाहीन भाषा पर एतराज करने वाली शैला नेगी के साथ जिस तरह की अभद्र टिप्पणियों और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है, वह पूरे देश के लिए शर्मनाक और अफसोसजनक है। ट्रोलिंग करने वालों ने सारी मर्यादा तोड़ दी। एक महिला की गरिमा का भी ख्याल नहीं किया।

सोशल मीडिया पर किसी की ट्रोलिंग अब बेहद आम हो चुकी है। ट्रोलर्स ऐसी लहर की तरह बर्ताव करते हैं, जिसके सामने कोई नियम–कायदा, नैतिकता या मर्यादा नहीं टिकती। हिमांशी इसी ट्रेंड का शिकार हुईं और यही देखने को मिला नैनीताल में शैला नेगी के साथ। जरूरत यह थी कि समाज इन दोनों हिम्मती और विवेकशील लड़कियों का साथ देता। लेकिन इन्हें गालियां और धमकियां मिल रही हैं।

संविधान ने सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया है। लेकिन इस आजादी का एक निश्चित दायरा है। यह अभिव्यक्ति किसी दूसरे की स्वतंत्रता और गरिमा पर चोट करने वाली नहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग करते हुए कई लोग इस बात को भूल जाते हैं। उन्हें बात रखने की अपनी आजादी तो नजर आती है, सामने वाले का अधिकार और उसकी गरिमा का ध्यान नहीं रहता। किसी की बातों से सहमत या असहमत हुआ जा सकता है, लेकिन इसे व्यक्त करने का तरीका शालीन होना चाहिए।

सोशल मीडिया पर गाली–गलौज या अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। जब ऐसी भाषा पारिवारिक या सामाजिक जीवन में नहीं चलती, तो सोशल मीडिया पर कैसे चल सकती है, जिसका दायरा कहीं ज्यादा बड़ा है। अगस्त 2023 में शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु के पूर्व विधायक और अभिनेता एस वी शेखर को महिला पत्रकारों के खिलाफ फेसबुक पर अपमानजनक टिप्पणी लिखने के मामले में राहत देने से इनकार करते हुए कहा था कि सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय इसके प्रभाव और पहुंच को लेकर सतर्क रहना चाहिए।

वैसे सोशल मीडिया पर ही हिमांशी और शैला को सपोर्ट करने वाले भी हैं। यह सुखद तो है, पर समस्या का हल नहीं। सोशल मीडिया पर गाइडलाइंस को लेकर सोचने की जरूरत है। रेप की धमकियों का सामना कर रहीं शैला का यह सवाल सबके लिए है कि लोग किस बात को लेकर सड़क पर उतरे थे और कहां पहुंच गए। इस पर विराम लगना ही चाहिये।

महिला हिंसा और समाज

समाज में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकने के लिए कई कड़े कानून बनाए गए हैं, जागरूकता कार्यक्रमों के समांतर महिला सशक्तीकरण के लिए कार्यक्रम चलाए जाते हैं। मगर आज भी बड़ी संख्या में महिलाएं तरह–तरह से हिंसा का शिकार हो रही हैं। अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों और विकास के दावों के बीच ऐसा क्या है जो हमारे समाज में स्त्रियों के प्रति दृष्टिकोण और मानस को मानवीय बना पाने में बाधक बना हुआ है। महिलाओं के खिलाफ घर से बाहर होने वाले अपराध निश्चित रूप से बेहद गंभीर समस्या हैं, लेकिन इससे त्रासद क्या होगा कि आज भी हमारे परिवारों के ढांचे और व्यवहार में ऐसा बदलाव नहीं आ सका है, जो कम से कम घरों की चारदीवारी के भीतर महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें।

सवाल है कि लंबे समय से चलाए जा रहे स्त्री–पुरुष समानता और महिला सशक्तीकरण संबंधी कार्यक्रमों और अभियानों की दिशा क्या रही है कि आज भी बड़ी संख्या में महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है। यह समझना मुश्किल है कि किन्हीं वजहों से पिछड़ गए समुदायों ही नहीं, आमतौर पर पढ़े–लिखे, सुसभ्य कहे जाने वाले लोगों के भीतर भी महिलाओं के खिलाफ अनेक दुराग्रह और संकीर्णताएं क्यों पलती रहती हैं।

यह न केवल समाज के स्तर पर एक बड़ी नाकामी का सबूत, बल्कि कानून–व्यवस्था के भी कमजोर होने का सूचक है। समाज में आपराधिक सोच कब हिंसक शक्ल अख्तियार कर लेती है, यह किसी को पता नहीं चलता। जाहिर है, महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर लगाम लगाने के लिए बने कानूनों को जहां सख्ती से लागू किए जाने की जरूरत है, वहीं सबसे ज्यादा जोर लोगों की सोच में बदलाव पर भी दिया जाना चाहिए, जिसकी वजह से कोई व्यक्ति या उसका परिवार महिला से संवाद करने के बजाय हिंसक रुख अपना लेता है।

युद्ध के मुहाने पर देश

–नीरज कुमार दूबे–

पाकिस्तान लगातार भारत को परमाणु बम से हमले की धमकी दे रहा है लेकिन सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक अत्यधिक मजबूरी नहीं हो, तब तक कोई भी देश परमाणु हथियार का उपयोग नहीं करता लेकिन इसका खतरा अवश्य बना रहता है।

भारत और पाकिस्तान के बीच मंडराते युद्ध के खतरे को लेकर कई पूर्व सैन्य अधिकारी और विशेषज्ञ अपनी अपनी तरह से चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। दरअसल 2019 में पाकिस्तान के बालाकोट में भारतीय वायुसेना की एअर स्ट्राइक के बाद से दोनों देशों ने अपनी सैन्य क्षमता में काफी वृद्धि की है। इसलिए विशेषज्ञों को लग रहा है कि कोई सीमित संघर्ष भी व्यापक युद्ध में तब्दील हो सकता है। हम आपको याद दिला दें कि दोनों देश 1948, 1965 और 1971 में युद्ध लड़ चुके हैं। इसके अलावा कश्मीर को लेकर दोनों के बीच कई बार सैन्य और असैन्य टकराव भी हो चुके हैं। 1990 के दशक में दोनों देश परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र बन गए थे और तभी से दक्षिण एशिया दुनिया के सबसे खतरनाक क्षेत्रों में से एक माना जाता है।

पाकिस्तान लगातार भारत को परमाणु बम से हमले की धमकी दे रहा है लेकिन सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक अत्यधिक मजबूरी नहीं हो, तब तक कोई भी देश परमाणु हथियार का उपयोग नहीं करता लेकिन इसका खतरा अवश्य बना रहता है। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि इस बार हमला संभवतः विमानों, मिसाइलों या ड्रोन के जरिये होगा, जिनमें भारत और पाकिस्तान की क्षमताएं काफी हद तक बराबर हैं। विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यदि संघर्ष लंबा चलता है तो यह भारत के हित में होगा क्योंकि संसाधन अधिक होने के कारण वह लंबी अवधि तक इनका उपयोग कर पायेगा। विश्लेषकों का यह भी कहना है कि हर पक्ष सोच रहा है कि वे पिछली बार की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं लेकिन असल जंग में ही असली स्थिति पता चल सकेगी।

बता दें कि भारत को 2019 में पुराने रूसी विमानों पर निर्भर रहना पड़ा था। मगर अब देश ने फ्रांस से 36 राफेल फाइटर जेट्स वायुसेना के बेड़े में शामिल किए हैं तथा नौसेना के लिए और भी विमानों का ऑर्डर दिया गया है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 2022 से चीन के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमानों में से एक, श्र–10 प्राप्त किया है, जो राफेल का तुलनात्मक समकक्ष माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक अध्ययन संस्थान की एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के पास कम से कम 20 श्र–10 विमान हैं। बताया जाता है कि ये विमान उन्नत क्षमताओं से लैस हैं। हम आपको बता दें कि राफेल में श्मेटेओरश एयर–टू–एयर मिसाइल लगी होती है, जो दृश्य सीमा से बाहर भी मार कर सकती है। इसी प्रकार श्र–10 में इसी तरह की PL&15 मिसाइल लगी होने की बात मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से सामने आई है। हम आपको यह भी बता दें कि 2019 की लड़ाई में सामने आई हवाई सुरक्षा की खामियों को दूर करने के लिए भारत ने रूस कीं–400 मोबाइल एंटी–एयरक्राफ्ट मिसाइल प्रणाली प्राप्त की है जबकि पाकिस्तान ने चीन से भ्फ–9 प्रणाली हासिल की है जोकि रूस कीं–300 प्रणाली पर आधारित है।

विश्लेषकों का यह भी कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले किसी भी संघर्ष पर चीन का प्रभाव बना रहेगा, जो भारत का प्रतिद्वंद्वी और पाकिस्तान का करीबी सहयोगी और उसका सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता है। इसके अलावा, भले अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान दोनों से तनाव कम करने का आग्रह किया है, लेकिन वह दोनों देशों के बीच किसी भी संघर्ष को चीन की सैन्य क्षमता की जांच के रूप में देखना चाह रहा है। अमेरिका ऐसा इसलिए चाहता है क्योंकि चीनी विमान और उसकी PL–15 मिसाइल को अब तक युद्ध में नहीं परखा गया है। इसलिए भले युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा जायेगा मगर असल में यह पश्चिमी और चीनी तकनीक के बीच मुकाबला हो सकता है। विश्लेषकों का यह भी कहना है कि भारत के लिए एक चुनौती यह भी रहेगी कि वह कितने स्क्वाड्रन पाकिस्तान सीमा पर तैनात करे और कितने चीन सीमा पर, क्योंकि उसे ड्रैगन से भी खतरा है। हम आपको याद दिला दें कि भारत और चीन ने 1962 में युद्ध लड़ा था और 2022 में दोनों देशों की सेनाएं पूर्वी लद्दाख सीमा पर भिड़ी थीं।

विश्लेषकों का यह भी अनुमान है कि ड्रोन या जमीन से लॉन्च की गई मिसाइल से हमला होने की संभावना ज्यादा है क्योंकि इनमें पायलट के पकड़े जाने का खतरा नहीं होता। जहां तक दोनों देशों की मिसाइल और सैन्य ड्रोन क्षमता में ताजा वृद्धि की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने इजराइल से लड़ाकू ड्रोन हेरोन मार्क 2 प्राप्त किया है और अमेरिका से प्रीडेटर ड्रोन खरीदने का ऑर्डर दिया है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने तुर्की से बायरेक्टर ज्ठ2 और अकिंजी ड्रोन हासिल किए हैं, जो रूस–यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल हो चुके हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान ने शनिवार को 450 किमी की दूरी तक मारक क्षमता और सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। पाकिस्तान ने आज 'एक्स इंद्र' अभ्यास के तहत 120 किलोमीटर रेंज की सतह से सतह पर मार करने वाली श्फतहश सीरीज की मिसाइल का सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण करने का भी दावा किया है। वहीं भारत की क्षमताओं में 300 किमी रेंज वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और लंबी दूरी की अग्नि श्रृंखला की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं।

बहरहाल, हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 की झड़प के बाद कहा था कि देश को उस समय राफेल की कमी खली थी। उन्होंने संकेत दिया था कि अगर फ्रांसीसी फाइटर होते तो नतीजा और अलग हो सकता था। इसलिए माना जा सकता है कि इस बार कमाल दिखाने का अवसर राफेल को दिया जा सकता है। कांग्रेस के नेता बार–बार राफेल पर सवाल उठाते हुए पूछ रहे हैं कि उस पर से नींबू मिर्ची कब हटेगी? माना जा रहा है कि राफेल की युद्धक क्षमता दिखा कर पाकिस्तान के साथ–साथ कांग्रेस को भी जवाब देने की तैयारी है। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस ने 2019 के लोकसभा चुनावों में राफेल खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप लगा कर मोदी सरकार को घेरना चाहा था लेकिन उसमें उसे सफलता नहीं मिली थी। बहरहाल, आइये देखते हैं दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के परिणामों के बारे में जम्मू कश्मीर पुलिस के पूर्व डीजीपी एसपी वैध क्या अनुमान लगा रहे हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

समता और न्याय के समक्ष चुनौतियां

–डॉ. रामजीलाल–

भारत के संविधान के लागू होने के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में विद्यमान विरोधाभासों पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि '26 जनवरी, 1950 को हम विरोधाभासों के जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम एक व्यक्ति, एक वोट और एक वोट, एक मूल्य के सिद्धांत को मान्यता देंगे। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में, हम अपनी सामाजिक और आर्थिक संरचना के कारण, एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को नकारते रहेंगे। हम कब तक विरोधाभासों का जीवन जीते रहेंगे व सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे? अगर हम इसे लंबे समय तक नकारते रहेंगे, तो हम अपने राजनीतिक लोकतंत्र को खतरे में डाल देंगे।

प्रत्येक देश में ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानवता को नई दिशा देकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, एवं राजनीतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इन महापुरुषों में डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम भी शामिल है। अधिकांश देशों में समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। लगभग 150 देशों में उनकी जयंती मनाई जाती है। हाल ही में अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घोषणा की है कि हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस मनाया जाएगा।

विश्व में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर अनेक समारोह, सेमिनार, परिसंवाद आदि आयोजित किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज में अंबेडकरवाद और उनके योगदान को कम करने के प्रयास जारी हैं। अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 – 6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति–पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे। डॉ॰ अंबेडकर के मुताबिक, महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना समाज का सुधार एवं विकास नहीं हो सकता। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा समय–समय पर समाचार पत्रों, पुस्तकों, भाषणों, संविधान सभा की बहसों आदि में विभिन्न मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों का व्यवस्थित रूप ही अंबेडकरवाद या अंबेडकर की सोच माना जाता है। अंबेडकरवाद की विचारधारा दुनिया के राजनेताओं से लेकर समाज के हाशिये पर मौजूद लोगों तक सभी का मार्गदर्शन करती है।

अंबेडकरवाद विचारों का एक समूह है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, मानवीय गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समाजवाद, और उपेक्षित वर्गों– दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और कृषि श्रमिकों, श्रमिकों का सशक्तीकरण तथा ऐसे समतावादी समाज की स्थापना शामिल है, जहां बुनियादी जरूरतें –भोजन, आश्रय, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, काम का अधिकार और समान काम के लिए समान वेतन का हक– पूरी हों। अंबेडकरवादी चिंतन इस बात का समर्थन करता है कि महत्वपूर्ण उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण (राष्ट्रीयकरण) होना चाहिए। ऐसे में यह चिंतन इस दौर में प्रचलित उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण सहित निगमीकरण के विरुद्ध है। डॉ. अंबेडकर का समाजवादी चिंतकों में महत्वपूर्ण स्थान है।

अंबेडकरवाद ऐसे समाज की स्थापना की कल्पना करता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य जीवन के हर क्षेत्र में समान हो, न कि जन्म, जाति, क्षेत्र, धर्म, भाषा व लैंगिक आदि संकीर्णताओं के आधार पर। भारत में कई तरह की विविधताओं के चलते अंबेडकरवाद सामाजिक सद्भाव और एकता बनाए रखने के लिए 'विविधता में एकता के सिद्धांत' की वकालत करता है। अंबेडकरवाद सामाजिक असमानता, अन्याय, अस्पृश्यता, जातिवाद, सामंतवाद, पूंजीवाद, नौकरशाही के जन–विरोधी रवैये, बहुसंख्यक तानाशाही, हिंसक आंदोलनों, धर्म–आधारित या धर्म–प्रधान राज्यों के खिलाफ है।

अंबेडकरवाद के अनुसार जातिवाद के कारण उत्पन्न अस्पृश्यता संकुचित, विभाजक व अमानवीय है। जो राष्ट्रीय एकता, एकीकरण के अलावा देश के विकास में अवरोधक है। अंबेडकरवाद के अनुसार अस्पृश्यता के कारण दलित वर्ग को अपमान झेलना पड़ा। सामाजिक क्रांति के बिना शोषण, असमानता, एवं अपमानजनक व्यवहार समाप्त नहीं होगा। वे जाति प्रथा उन्मूलन के पैरोकार थे। अंबेडकरवाद के समक्ष प्रमुख चुनौतियां हैं– भेदभाव और सामाजिक असमानता, राजनीति में नायक पूजा, जातिवाद, अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अपराध, हिंसा, अमानवीय घटनाओं, जाति व रंग के आधार पर अत्याचारों में वृद्धि, प्रशासन में पक्षपात और आर्थिक असमानता आदि।

भारत के संविधान के लागू होने के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में विद्यमान विरोधाभासों पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि '26 जनवरी, 1950 को हम विरोधाभासों के जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम एक व्यक्ति, एक वोट और एक वोट, एक मूल्य के सिद्धांत को मान्यता देंगे। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में, हम अपनी सामाजिक और आर्थिक संरचना के कारण, एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को नकारते रहेंगे। हम कब तक विरोधाभासों का जीवन जीते रहेंगे व सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे? अगर हम इसे लंबे समय तक नकारते रहेंगे, तो हम अपने राजनीतिक लोकतंत्र को खतरे में डाल देंगे। हमें इस विरोधाभास को जल्द से जल्द दूर करना होगा३।' अंबेडकरवाद के अनुसार, विभिन्न जातियों, धर्मों, संस्कृतियों, क्षेत्रों और विभिन्न भाषा बोलने वाले लोगों के बीच सद्भावना आवश्यक है। भारत की विशालता और विविधता को ध्यान में रखते हुए 'विविधता में एकता' के आधार पर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकता है।

अंबेडकरवाद वर्तमान व्यवस्था के विकल्प की वकालत करता है जिसका उद्देश्य गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी और अशिक्षा से मुक्त समतावादी समाज की स्थापनाय सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्यायय प्रमुख उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रणय धन का विकेंद्रीकरण और हाशिए पर मौजूद वर्गों का सशक्तीकरण है।–लेखक करनाल स्थित दयाल सिंह कॉलेज के पूर्व प्राचार्य व समाज वैज्ञानिक हैं।

छात्रों द्वारा बढती आत्महत्याएं

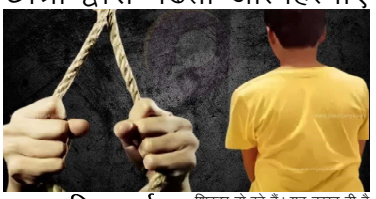

– ललित गर्ग–

टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र–छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन–पर–दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार–बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है, तभी भारत सशक्त होगा, विकसित होगा।

पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। युवाओं को भी सोचना होगा कि जिंदगी दोबारा नहीं मिलती। इसे यूं ही तनाव में आकर ना गंवाएं, बल्कि जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करें। पढ़ाई में असफल रहने के कारण कुछ बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हर परिवार की अपने बच्चों से ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। अधिकतर युवा जिंदगी में आने वाली समस्याओं को बर्दाश्त नहीं कर पाते और वे अपनी बात किसी से साझा तक नहीं करते।

दोस्त को पत्नी के साथ आपत्तिजनक हालत मे देख पति ने फावड़े से किया ताबड़तोड़ वार, युवक की मौत, पत्नी की हालत गम्भीर

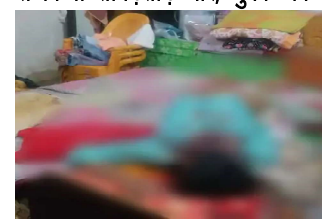

संवाददाता–गोण्डा। एक शख्स की आधी रात को नींद टूटी तो उसकी पत्नी, बगल के कमरे में उसके ही दोस्त के साथ आपत्तिजनक हाल में मिली। पत्नी और अपने दोस्त को उस हालत में देखकर पति बर्दाश्त नहीं कर पाया। उसने दोनों पर फावड़े से ताबड़तोड़ वार किए। घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि महिला को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार गोंडा के कोतवाली क्षेत्र के पथवलिया के रहने वाले रिजवान (32 वर्षीय) पुत्र शरीफ की सर्वेश उर्फ गुड्डू पाण्डेय (उम्र 36 वर्ष) पुत्र सुरेश नरायन पाण्डेय निवासी सिविल लाइन निकट अफीम कोठी से पांच–छह साल पुरानी दोस्ती थी। सर्वेश पाण्डेय का रिजवान के घर पहले से आना जाना था । इसी दौरान सर्वेश पाण्डेय, रिजवान की पत्नी माजिया के संपर्क में आ गया। सर्वेश के परिवारीजनों ने उसे काफी समझाया लेकिन दोनों चोरी–छिपे मिलते रहे। इसके चक्कर में रिजवान कुछ दिनों से अयोध्या रोड पर जयपुरिया स्कूल के पास किराए के मकान में रहने लगा।

बताया जा रहा है कि सोमवार की रात नौ बजे के करीब जब रिजवान और उसकी पत्नी माजिया खाना खाकर सो गये तब सर्वेश पाण्डेय देर रात में चोरी से उनके घर में आ गया। कुछ आहट पाकर आधी रात को रिजवान की नींद खुली तो उसने अपने दोस्त सर्वेश पाण्डेय और अपनी पत्नी माजिया को आपत्तिजनक स्थिति में पाया। पत्नी को अपने ही दोस्त के साथ देखकर रिजवान के पैरों तले जमीन खिसक गई। पहले से उसे विश्वास ही नहीं लेकिन थोड़ी देर बाद हकीकत का अहसास होने के बाद वह गुस्से से बेकाबू हो गया। गुस्से में आकर उसने फावड़े से दोनों के सिर पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। हमले में सर्वेश पाण्डेय की मौके पर ही मौत हो गई। माजिया को इलाज के जिला अस्पताल भेजा गया। जहां डाक्टरों ने उसकी हालत गम्भीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लखनऊ रेफर कर दिया है। कोतवाल संजय कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है।

भूमि विवाद में छोटे ने बड़े भाई को मारी गोली, गंभीर

संवाददाता–देवरिया। जिले के रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बरवा मीर छापर गांव में मंगलवार को भूमि विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई पर लाइसेंसी असलहे से फायर झोंक दिया। बड़े भाई के पैर में गोली लग गई। गोली चलते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। उधर घायल को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बरवा मीरछापर गांव निवासी शंभू पांडेय की चौराहे पर मकान थी। मकान जर्जर होने के चलते नवनिर्माण के लिए गिरा दिया गया।

निर्माण के लिए शंभू पांडेय के सगे छोटे भाई से विवाद हो गया। दोनों भाईयों में कहासुनी के बाद मारपीट की नौबत आ गई। कहासुनी के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि छोटे भाई ने बड़े भाई पर फायर झोंक दिया। गोली शंभू पांडेय के पैर में जाकर लगी और वह जमीन पर गिर गए। बीच चौराहे पर गोली चलने की आवाज सुनकर लोग भागने लगे। पुलिस पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंच गए और घायल को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया। सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दो चोर और एक खरीदार सराफा व्यापारी गिरफ्तार, चोरी के आभूषण भी बरामद

संवाददाता–देवरिया। कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चीनी मिल ग्राउंड से दो चोरों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 1 पिस्टल 32 बोर व 1 कारतूस 32 बोर मय मैगजीन बरामद किया। पुलिस ने उनके बताए जाने पर चोरी का माल खरीदने वाले एक स्वर्ण व्यवसायी को चोरी के स्वर्ण आभूषण के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अरविन्द कुमार वर्मा व क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा रविवार को मुखबिर की सूचना पर चीनी मिल ग्राउंड से 2 चोरों किशन चौहान निवासी काशीराम आवास पूरवा थाना कोतवाली, संदीप मद्धेशिया हनुमान मंदिर सीसी रोड थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से 1 पिस्टल 32 बोर व 1 कारतूस 32 बोर मय मैगजीन, 41,800 रुपया नगद बरामद किया गया। साथ ही 1

एण्ड्रॉयड फोन, 2 की–पैड फोन बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया गया कि चोरी किए गए माल को स्वर्ण व्यवसायी राज वर्मा निवासी सीसी रोड थाना कोतवाली को बेचकर नगद पैसा ले लेते हैं। आरोपियों की निशानदेही पर राज वर्मा पुत्र बब्लू वर्मा को उनके घर सीसी रोड देवरिया से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त राज वर्मा से पूछताछ करने पर उसने बताया गया कि दोनों आरोपी किशन चौहान व संदीप मद्धेशिया द्वारा आभूषण चोरी करके उनको बेच दिया जाता था, जिसे राज वर्मा द्वारा गलाकर परिवर्तित कर दिया जाता था। अभियुक्त राज वर्मा के पास से सफेद धातु के 5 टुकड़े जिनका कुल वजन 1 किलो 22 ग्राम एवं 5 अदद पीले धातु के टुकड़े जिनका कुल वजन 20 ग्राम 13 मिग्रा है। अभियुक्तों के पास से बरामद उक्त माल का मिलान करते पर ज्ञात हुआ कि उक्त बरामद माल थाना कोतवाली में दर्ज बीएनएस की धाराओं से संबंधित है। बताना कोतवाली पुलिस आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही कर रही है।

हादसों में बच्चे समेत दो की मौत, कई घायल

संवाददाता–बहराइच। जिले भर में सड़क दुर्घटनाओं में मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा। मंगलवार को अलग–अलग सड़क हादसों में पांच वर्षीय बालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। आधा दर्जन से अधिक घायल हैं जो इलाज करा रहे हैं। बहराइच लखनऊ हाईवे के कंचनपुरवा के पास सड़क पार कर रहे बालक को सोमवार रात तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज लाया गया। चिकित्सकों ने परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। फखरपुर थाने के बहराइच–लखनऊ हाईवे के कंचनपुरवा के पास सोमवार रात लगभग नौ बजे अनुज(5) पुत्र अर्जुन सड़क पार कर रहा था। उसे तेज रफ्तार वाहन टक्कर मार कर फरार हो गया। इसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही परिजन दौड़े। एम्बुलेंस से घायल को मेडिकल कालेज लाया गया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुराहाल था। तेज रफ्तार वाहन ने अधेड़ को रौंदा, मौत रू पयागपुर थाना क्षेत्र में खुटेहना गिलौला मार्ग के कलाम मठठे के पास मंगलवार सुबह तेज रफ्तार अनियंत्रित वाहन ने पैदल जा रहे अधेड़ को रौंद डाला। इसके चलते अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना होते ही चालक वाहन सहित फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे खुटेहना पुलिस चौकी के कर्मचारियों की सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। घटना को लेकर पयागपुर थाने के एसएचओ करुणाकर पाण्डेय ने बताया कि शव की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। इसे लेकर जिले के अलावा आसपास जिलों में फोटो भेजी गई है। सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जा रहा है। शव के शिनाख्त होने तक उसे 72 घंटे मार्चयुरी में रखवाया गया है।

बाइक सवार को फोरलेन पर ट्रक ने रौंद डाला, शव के दो टुकड़े हुए

संवाददाता–कुशीनगर। पटहेरवा थाना क्षेत्र में फोरलेन स्थित काजीपुर चौराहे पर मंगलवार सुबह ट्रक ने बाइक सवार को रौंद डाला। शव के टुकड़े हो गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रक चालक गाड़ी छोड़ कर मौके से फरार हो गया है। फोरलेन स्थित काजीपुर चौराहे पर मंगलवार की सुबह बाइक सवार फाजिलनगर की ओर कुछ सामान लेकर जा रहा था। सामने से आ रहे ट्रक ने उसे कुचल दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जेब से मिले पहचान पत्र के आधार पर उसकी शिनाख्त तीर्थ सिंह पुत्र मोहन सिंह निवासी सरदारपुर बुजुर्ग कानपुर देहात उम्र 40 वर्ष के रूप में की है।

वह संभवतः फेरी वाला था और तमकुही की तरफ से फाजिलनगर की तरफ जा रहा था। हादसे के बाद ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। फाजिलनगर चौकी इंचार्ज मनीज वर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रक पुलिस के कब्जे में है।

सड़क पर खड़ी बाइक के विवाद में पूर्व सांसद पर हुआ हमला, पुलिस ने 13 को भेजा जेल

संवाददाता–बहराइच। पूर्व सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड पर रविवार को मांगलिक कार्यक्रम के दौरान हुए जानलेवा हमले का कारण एएसपी ग्रामीण डीपी तिवारी ने सड़क पर बाइक खड़ा करने के विवाद हो बताया है। मंगलवार को एएसपी ने वीडियो बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। साथ ही पुलिस ने हमले में शामिल 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर अन्य की तलाश में दबिश शुरू की है। मोतीपुर थाना क्षेत्र के मटेही कला गांव निवासी राम सरोज पाठक के यहां जनेऊ संस्कार था। जिसमें शामिल होने के लिए पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड भी शामिल होने गए थे। जहां विवाद कार्रवाई के आक्रोश में सांसद पर हमला करने की चर्चा थी, लेकिन विवेचना में सामने आए तथ्य में बाइक खड़ा करने का विवाद सामने आया। इसी के बाद पहले के तथ्य व चर्चाओं पर विराम लग गया है।

मोतीपुर थाना क्षेत्र के मटेही कला निवासी राम सरोज पाठक के यहां रविवार को जनेऊ संस्कार कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने के लिए पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड पहुंचे थे। इस दौरान गांव निवासी शाहिद अली, नियाज, शाहिद अली द्वितीय, नैय्यारे, सन्नो बेगम, आसमा, सबीना, बाबू उर्फ सगीर व अज्ञात 30 से अधिक लोग लाठी–डंडा व धारदार हथियार के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे और सांसद पर जानलेवा हमले का प्रयास किया था। सुरक्षा गार्डों व कार्यकर्ताओं ने सांसद को बचाया, लेकिन इस दौरान कार्यकर्ता व सुरक्षा गार्ड घायल हो गए। सभी ने सांसद को एक कमरे में बंद कर दिया। राम सरोज ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने दरवाजा तोड़ने का भी प्रयास किया था। लेकिन ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा होने पर जान से मारने की धमकी देते हुए हथियार लहराते हुए चले गए थे।

हुआ था। जिसके संबंध में राम सरोज पाठक की तहरीर पर आठ नामजद व 30 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया है और सीओ मिहींपुरवा हर्षिता तिवारी विवेचना कर रही हैं। विवेचना के दौरान पूर्व सांसद पर हमले का मूल कारण रास्ते में खड़ी बाइक को हटाने के दौरान हुई कहासुनी सामने आई है। इस प्रकरण में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। शेष की तलाश में दबिश दी जा रही है। पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड पर हुए हमले के बाद से चर्चाओं का बाजार गर्म है। ग्रामीणों में सीमा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मदरसों व सरकारी जमीन पर हुए कब्जे पर हो रही बुलडोजर

जलवायु परिवर्तन से निपटने की तैयारी, 5 दिवसीय कार्यशाला, स्वास्थ्य और पोषण पर हुई चर्चा

संवाददाता–बहराइच। रेडआर इंडिया, मिशन समृद्धि, डॉ. रेड्डीज फाउंडेशन और यूनिसेफ के सहयोग से पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विभागों की क्षमता को मजबूत करना था।

विषय विशेषज्ञ डॉ. बलराम जादव और दीपक मलिक ने कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने बताया कि बढ़ता तापमान, जल संकट और बदलता मानसून सीधे जनस्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। इससे डायरिया, डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। खेती पर प्रभाव से खाद्य असुरक्षा बढ़ी है। इससे बच्चों और महिलाओं में कुपोषण की स्थिति बन रही है।

कार्यशाला में जल संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और स्थानीय जलवायु–अनुकूल आहार को बढ़ावा देने जैसे प्राकृतिक समाधानों पर चर्चा हुई। एसीएमओ डॉ संतोष राना और जिला स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सूचना अधिकारी बृजेश सिंह ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

पहले दिन प्रतिभागियों को जलवायु परिवर्तन की मूल जानकारी दी गई। वैश्विक तापमान में वृद्धि, ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन और पारिस्थितिक असंतुलन के बारे में बताया गया। साथ ही पीने के पानी की कमी, जल प्रदूषण और मौसम से होने वाली बीमारियों के बढ़ते खतरों पर भी चर्चा की गई।

मिशन समृद्धि के नीलाद्रि ने बताया कि आगामी तीन दिनों के दौरान कार्यशाला में शिक्षा, कृषि और आजीविका जैसे क्षेत्रों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और उससे जुड़ी जोखिम प्रबंधन रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी, योजना निर्माता और स्वयं सेवी संस्थाएं भाग ले रही हैं।

अवैध मदरसों पर चला बुलडोजर, एक ध्वस्त, दूसरे का आंशिक हिस्सा ढहाया

संवाददाता–महराजगंज। शासन के निर्देश पर अवैध ढंग से संचालित मदरसों पर कार्रवाई जारी है। मंगलवार को कोल्हुई के एक अवैध मदरसे और परसामलिक थाना क्षेत्र के एक मदरसे के आंशिक हिस्से को बुलडोजर से ढहा दिया गया। इससे पहले सोमवार को निचलौल क्षेत्र के जंगल में अवैध ढंग से स्थापित एक धर्मस्थल को प्रशासन ने पुलिस बल के साथ हटवाकर जंगल को अतिक्रमण मुक्त कराया था। कोल्हुई क्षेत्र के इलाहावास के टोला मध्यनगर में बंजर जमीन पर दो वर्ष से अवैध रूप से संचालित मदरसे को एसडीएम फरेंदा मुकेश सिंह, तहसीलदार वीके वर्मा, एसओ अरविंद सिंह ने भारी पुलिस बल के साथ गांव में पहुंच कर ध्वस्त कराया।

एक माह पूर्व गांव में संचालित इस मदरसे की रिपोर्ट तहसील पहुंची थी। विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए बंजर भूमि पर करीब 16 एयर रकबे पर बने मदरसे को ध्वस्त कराकर बंजर भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। तहसीलदार वशिष्ठ कुमार वर्मा ने कहा कि बार्डर क्षेत्र 10 किमी के दायरे में संचालित सरकारी भूमि पर बने मदरसों पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत विषखोप स्थित नवीन परती के भूमि पर स्थापित मदरसे के अतिक्रमित हिस्से को ध्वस्त कराकर कब्जा मुक्त करा दिया है। ग्राम पंचायत विषखोप में स्थित मदरसा नवीन परती के जमीन पर 0.081 एयर पर अवैध रूप से स्थापित किया गया था। इस दौरान एसडीएम नवीन प्रसाद, नायब तहसीलदार सौरभ कुमार श्रीवास्तव, परसामलिक प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र कुमार राय, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अभिजीत कुमार, वृजेश सैनी, इन्द्रासन यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे। एसडीएम नौतनवा नवीन प्रसाद ने बताया कि मदरसा का कुछ हिस्सा नवीन परती के भूमि पर काबिज था। इसे ध्वस्त करवाकर सार्वजनिक भूमि को कब्जा मुक्त करवाया गया है।

संविदा कंप्यूटर ऑपरेटरों ने एसई को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोण्डा। जिले में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अंतर्गत बिजली विभाग के विभिन्न कार्यालयों में तैनात संविदा कंप्यूटर ऑपरेटरों ने मुख्य अभियंता से संबोधित ज्ञापन एसई को सौंपा है। जिसमें कहा है कि मध्यांचल ने सभी कार्यालयों में कंप्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध कराने के आदेश जारी किए गए। लोगों ने बताया कि चीफ इंजीनियर देवीपाटन मंडल कार्यालय की ओर से 28 अप्रैल को कंप्यूटर ऑपरेटरों की संख्या को कम करते हुए गोंडा में 14 अदद कंप्यूटर ऑपरेटरों को समायोजित करने के लिए निर्देशित किया है। जबकि 47 कंप्यूटर ऑपरेटर बिजली विभाग में पहले से कार्य कर रहे हैं। सभी ऑपरेटर बिजली विभाग में वर्षों से सेवा दे रहे हैं। जिससे इनके परिवार का भरण पोषण किसी तरह से चलता है। पंकज श्रीवास्तव, सौरभ वर्मा, गुरु प्रसाद, गौरव शुक्ला ने बताया कि कंप्यूटर ऑपरेटरों की संख्या में कमी करने से लोगों का मानसिक तनाव बढ़ गया है। लोगों ने कहा कि आधे से ज्यादा उम्र के बाद कहां जाएं और इस महंगाई मे परिवार का जीवन यापन कैसे होगा। लोगों ने कहा कि विभिन्न निविदाओं के अधीन कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों ने मध्यांचल के सभी दिशा–निर्देश का अनुपालन करते हुए काम किया है। ऐसे में अगर कंप्यूटर ऑपरेटरों को हटाया जाता है। तो बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट नजर आएगा। संविदा कंप्यूटर ऑपरेटरों ने कहा है कि एक सप्ताह के भीतर अगर हमारी समस्या का समाधान नहीं होता है तो मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने 15 मई से अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन पर बैठेंगे। जिसकी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारी व जिला प्रशासन की होगी। इस दौरान मदन सोनी, विजय शुक्ला, अखिलेश पांडे, रूपेंद्र सिंह, ओम प्रकाश मौर्य, संजीव कुमार प्रजापति, विकास कुमार, अनिल यादव, आशीष मिश्रा, अजय पांडे, गौरव शुक्ला, जफर समीर खान, अभिषेक श्रीवास्तव, सानिद अली, रवि सिंह, अजय कुमार यादव, रनदीप सिंह, अनिल सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

बिना सूचना प्रदीप को घर से लेकर गई पुलिस, परिवार बोला– मुठभेड़ में मारी गोली

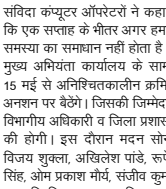

संवाददाता–कुशीनगर। पटहेरवा पुलिस द्वारा की गई एक मुठभेड़ विवादास्पद हो गई है। रविवार दोपहर साढ़े तीन बजे सादी वर्दी में दो पुलिसकर्मी प्रदीप को हृदयनन्द गुप्ता के घर से ले गए। परिजनों को थाने से कोई जवाब नहीं मिला। शाम 7 बजे पुलिस ने प्रदीप को पशु तस्कर बताते हुए उसके पैर में गोली मार दी। पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी प्रदीप भारती और अरशद खान घायल हुए। तीसरे आरोपी रितेश शर्मा को भी पकड़ा गया। पुलिस ने 3 अवैध तमंचे, 315 बोर कारतूस और एक कार जब्त की। पुलिस का कहना है कि प्रदीप पटहेरवा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। अरशद खान पर भी करीब 10 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं प्रदीप के पिता रमेश ने अलग कहानी बताई। उन्होंने कहा कि उनका बेटा पहले पिकअप पर खलासी था। तीन साल पहले गाड़ी मालिक ने इनाम की लालच में गाड़ी तस्करी में फंसा दिया। प्रदीप छह महीने जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आया। पहली पत्नी की मृत्यु के बाद उसकी दूसरी शादी हुई।

डेढ़ साल पहले फिर उसे पशु तस्करी के आरोप में जेल भेजा गया। 15 दिन में जमानत मिल गई। सभी मामले अभी कोर्ट में चल रहे हैं। वर्तमान में प्रदीप बेंगलुरु में पेंट का काम करता था। एक सप्ताह पहले ही गांव लौटा था। तीन दिनों से गांव में मजदूरी कर रहा था। परिवार का आरोप है कि पुलिस उसे बेवजह फंसा रही है। आरोपी के पिता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर जांच की मांग की है।

सीओ तमकुराज अनुराग सक्सेना ने परिवार के आरोपों से अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि मामले की जानकारी लेकर ही कुछ कहा जा सकता है।

चार पहिया वाहन ने बाइक को रौंदा, दो युवकों की मौत

संवाददाता–गोण्डा। खोड़ारे थानाक्षेत्र में बारात से घर लौट रहे बाइक सवार दो युवकों की सड़क हादसे में मौत हो गई। गौरा चौकी–सादुल्लानगर मार्ग पर भानपुर के पास तेज गति से आ रही वाहन ने बाइक रौंद डाली। हादसे में एक युवक ने मौके पर दम तोड़ दिया जबकि दूसरे की सांसे उपचार के दौरान थम गई। हादसे में बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि खोड़ारे थाना क्षेत्र के केशव नगर ग्रांट पश्चिम डीह नौडीहवा निवासी विनोद कुमार पुत्र राम शंकर उम्र 28 वर्ष और रामकरन पुत्र राम लौटन उम्र 40 वर्ष सोमवार रात रमवापुर जिला बलरामपुर से बरात से लौट रहे थे। रात करीब दो बजे गौरा चौकी भानपुर रोड पर रौतापुर मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गई स गौरा चौकी इंचार्ज संजीव कुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन से टकराकर दो युवक घायल हो गए थे । उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया । एसओ प्रबोध कुमार ने बताया कि मृतक के पिता राम शंकर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है। युवकों की मौत से गांव में कोहराम मच गया। दो युवकों के मौत की सूचना गांव में पहुंचा तो पूरे गांव में कोहराम मच गया। चीख और पुकार से खुशी का माहौल मातम में बदल गया । राम करन के एक बेटा और चार बेटी है। वहीं विनोद कुमार की बीते साल 19 मई को शादी हुई है। उसके 12 दिन का एक बेटा है।परिजनों का रो रो कर हाल बेहाल है ।

बिजली गिरने व डूबने से हुई मौत को लेकर दी गई सहायता राशि

संवाददाता–बहराइच। प्रशासन की ओर से चार चार लाख रुपए दिए गए नानपारा संवाददाता। सरयू नदी में डूबने से दो बच्चों की हुई मौत व आकाशीय बिजली से एक बच्चे की मौत को लेकर स्थानीय प्रशासन ने मृतक आश्रित को चार–चार लाख की आर्थिक सहायता उनके खाते में ऑनलाइन भेज दी है। तहसील नानपारा के ग्राम सरैया के सरयू नदी पर करते समय गड्ढे में चले जाने से मनोज (6) व अनुज (9) पुत्र तालुकदार की मृत्यु हो गई थी। उनकी माता चांदनी को उसके खाते में आर्थिक सहायता प्रशासन ने भेज दी है। थाना खैरीघाट के पिपरिया में पण्डितपुरवा में विमल कुमार (7) पुत्र राम सहारे की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई थी। बच्चे की माता किरन देवी को मृतक आश्रित परिजनों को राहत सहायता उसके खाते में भेज दी गई।

अखिलेश कुमार मिश्रा 19 मतों से जीतकर फिर बने अध्यक्ष

संवाददाता–बहराइच। जूनियर शिक्षक संघ के त्रैवार्षिक अधिवेशन में चुनाव संगठन के सदस्यों ने समस्याओं पर की चर्चा विशेश्वरगंज संवाददाता। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ शाखा विशेश्वरगंज का त्रैवार्षिक अधिवेशनः निर्वाचन पर्यवेक्षकों भानु प्रताप मिश्रा, अनुराग मिश्रा और उबैदुर रहमान की देखरेख में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। अधिवेशन में जिलाध्यक्ष विद्याविलास पाठक, जिला मंत्री प्रवीण श्रीवास्तव, यादवेंद्र यादव, रामकुमार पांडे, अतुल त्रिपाठी व अनीस अहमद खान भी मौजूद रहे। मंगलवार को चुनाव प्रक्रिया दोपहर एक बजे के बाद शुरू हुई। अधिवेशन में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की स्थिति बनी। जिसमें कुल 88 मतदाता में 85 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें अखिलेश कुमार मिश्रा को 52 मत मिले और प्रशांत सिंह को 33 मत प्राप्त हुए। तीन मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया। इस चुनाव में अखिलेश कुमार मिश्रा 19 मत अधिक पाकर पुनः अध्यक्ष चुना गया। शेष अन्य पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

एक देश एक चुनाव पर कसया में विचार–विमर्श

संवाददाता–कुशीनगर। सांसद विजय कुमार दुबे ने कार्यक्रम का आयोजन किया। एक देश एक चुनाव के जिला संयोजक और पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने इतिहास साझा किया। उन्होंने बताया कि 1952, 1957 और 1967 में चुनाव एक साथ हुए। 1972 में इंदिरा गांधी द्वारा केंद्र सरकार भंग किए जाने के बाद यह व्यवस्था समाप्त हो गई। कुशीनगर विधायक पी एन पाठक ने कहा कि एक देश एक चुनाव समय की मांग है। सांसद विजय कुमार दुबे ने कुशीनगर के विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने फ्लाईओवर, रेलवे लाइन और अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण की जानकारी दी। बौद्ध सर्किट का विकास भी प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि सभी चुनावों के एक साथ होने से समय और धन की बचत होगी। वक्ताओं ने बताया कि प्रतिवर्ष होने वाले चुनावों से विकास कार्यों का बजट प्रभावित होता है। एक देश एक चुनाव से यह समस्या समाप्त होगी। कार्यक्रम में विधायक हाटा मोहन वर्मा, डॉ योगेश्वर मद्धेशिया और अन्य गणमान्य लोगों ने अपने विचार रखे। डॉ जी पी राय की अध्यक्षता में कार्यक्रम का संचालन अवधेश प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय, एडवोकेट गंधर्व मणि, संतोष दत्त राय, अशोक मिश्रा, सुमित त्रिपाठी, विपुल दुबे, चंद्रप्रभा पांडेय, डॉ अमृतांशु शुक्ला, डॉ नीलम मौर्य, डॉ गौरव तिवारी, दुर्गेश गुप्ता, कृष्ण कुमार, उमेश कुमार गुप्ता, ओम प्रकाश जायसवाल, शैलेश त्रिपाठी, नीतीश यादव, राजेश मद्धेशिया, प्रभूनाथ सिंह, धर्मेंद्र यादव, राकेश शुक्ल, चंदन शर्मा समेत भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज करण नैय्यर बने गोरखपुर के एसएसपी गौरव ग्रोवर अब अयोध्या के कप्तान

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर का गोरखपुर से अयोध्या तबादला कर दिया गया है। गोरखपुर में एसएसपी का चार्ज राज करन नय्यर (2012) को मिला है। वे मूल रूप से हरियाणा के फरीबाद के रहने वाले हैं। साल 1987 में जन्मे राजकरन नय्यर ने (बायोटेक्नोलॉजी) और (नैनोटेक्नोलॉजी) में डिग्री हासिल की है। इससे पहले जून 2023 से अयोध्या के एसएसपी पद पर तैनात थे। जबकि, डॉ. गौरव ग्रोवर गोरखपुर में बतौर एसएसपी जून 2022 से तैनात हैं। डॉ. गौरव ग्रोवर गोरखपुर में इतना लंबा कार्यकाल निभाने वाले पहले एसएसपी रहे हैं। दरअसल, शासन ने देर रात कुल 14 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इसमें गोरखपुर एसएसपी के साथ संत कबीर नगर के एसपी सत्यजीत गुप्ता का भी तबादला किया है। इन्हें पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट कानपुर का जिम्मा दिया गया है। वहीं, पुलिस अधीक्षक रेलवे, गोरखपुर संदीप कुमार मीणा का तबादला एसपी संत कबीरनगर पद पर हुआ है।

ट्रेलर से भीड़ी दूसरी ट्रेलर, चालक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा थाना क्षेत्र के गोरखपुर वाराणसी हाईवे पर कुसमौरा बुजुर्ग के पास मंगलवार सुबह चार बजे पहले से घटनाग्रस्त खड़ी ट्रेलर में पीछे से एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद हाइवे पर चीख–पुकार मच गई। इस घटना में ट्रेलर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बता दें की गगहा थाना क्षेत्र के कुसमौरा बुजुर्ग के पास रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर पौधों को पानी डाल रहे पानी टैंकर को ट्रेलर गाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में चालक राम दवन यादव (57) निवासी ओडवालिया गांव सहजनवा की मौत हो गई थी।

2 दिन से हाईवे पर डिवाइडर के पास ही यह दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर खड़ी थी। इस ट्रेलर पर सरीये लदे हुए थे। मंगलवार सुबह 4:00 बजे इसी दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर में बड़हलगंज से गोरखपुर की तरफ जा रही एक दूसरी ट्रेलर जा भीड़ी जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर के परखच्चे उड़ गए। आगे खड़ी ट्रेलर के सरीये पिछे वाली ट्रेलर में फंस गए। ट्रेलर चालक की पहचान विनोद यादव (40) निवासी ग्राम महुली जिला आजमगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हाइवे पर रविवार से ही दुर्घटनाग्रस्त खड़े ट्रेलर को समय रहते राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पेट्रोलिंगकर्मी तथा रूट इंचार्ज हटा देते तो हादसा टल सकता था। एनएचएआई की हाईवे पेट्रोलिंग टीम द्वारा दूर्घटनाग्रस्त खड़े ट्रेलर के पीछे ना तो सेफ्टी लगाई गई और ना ही ट्रेलर को सड़क से हटाकर दूर खड़ा किया गया।

ऐसे में सेफ्टी तथा संकेतक के अभाव में मंगलवार सुबह ट्रेलर अनियंत्रित होकर ट्रेलर के पीछे घुस गई और हादसे में चालक की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि गोरखपुर वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल वसूली के बावजूद वाहन चालकों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। इन सुविधाओं तथा संकेतक और चेतावनी बोर्ड के अभाव में हाईवे पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामअजोर
बनाम
सुखराम आदि

1. रामअजोर पुत्र मगरू साकिन राजाचक तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–05–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 16 महीना 05 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 25 माह 04 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती जिला–बस्ती

सरकार
बनाम
ललई

मौजा समरधीर तप्पा पिपरा परगना नूर पूरव तहसील व जिला बस्ती
1. श्रीराम 2. जैराम पुत्रगण अयोध्या निवासी ग्राम नरायनपुर तप्पा पिपरा परगना नूर पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. राजेश 4. राकेश पुत्रगण कुसई निवासी ग्राम नरायनपुर तप्पा पिपरा परगना नूर पूरव तहसील व जिला बस्ती 5. फौजदार पुत्र खेलावन निवासी ग्राम नरायनपुर तप्पा पिपरा परगना नूर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–05–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

डंपर से कुचलकर युवक की मौत, शादी में शामिल होने गया था बारात

संवाददाता–गोरखपुर। चचेरे भाई के ससुराल शादी समारोह में शामिल होने उरूवा गए बाइक सवार युवक की डंपर ने कुचलकर मौत हो गई। वहीं साथ बैठा उसका पुत्र हादसे में बाल–बाल बच गया। इस घटना के बाद डंपर चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, बड़हलगंज थाना क्षेत्र के संसारपार नौका टोला निवासी दीपक प्रजापति (40) अपने पुत्र आर्यन के साथ चचेरे भाई के ससुराल आया था। वहां पास के चौरहे पर बेटे को लेकर घुमाने गया हुआ था। मौसम बदलता देख वह लौटने लगा तो इस बीच रामजानकी मार्ग पर झरकटा मोड़ के पास डंपर की टक्कर लगने से बाइक लेकर गिर पड़ा और डंपर के पहिए के नीचे आ गया। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उसके पुत्र बाल–बाल बच गए। घटना के बाद डंपर चालक घटनास्थल से भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और डंपर को थाने पर लेकर आ गई। थाना प्रभारी अंजुल कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि डंपर को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उरूवा के रामजानकी मार्ग के झरकटा मोड़ पर सोमवार की शाम डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वह अपने चचेरे भाई राकेश के ससुराल में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए झरकटा गांव में पत्नी बबिता, पुत्र आर्यन (8) और पुत्री भूमि (6) के साथ आया था। सोमवार को वह अपने पुत्र के साथ चौराहे पर गया था। जहां तेज आंधी देख वह लौटने लगा। इसी बीच डंपर ने उसे कुचल दिया। मौत की सूचना के बाद गमजदा माहौल में बेलघाट के मझगावां के लिए बरात निकाली गई। मंगलगीत की जगह गांव में मातमी सन्नाटा पसरा रहा।

सम्मन बगरज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 वो 5 मजमुआ जाप्ता दिवानी सन् 1901 ई०)
नम्बर मुकदमा/कंम्प्यूटरित वाद संख्या–डी 20251710000314
अदालत न्यायालय कलेक्टर प्रथम श्रेणी/जिलाअधिकारी बस्ती।

बुधिराम (वादी)
बनाम
जगराम आदि (प्रतिवादी)

बनाम 1 – उमाशंकर पुत्र मुक्तनाथ निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 2– दिनेश कुमार भारती पुत्र सत्यनारायन निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 3–राम जियावन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 4–जयकिशुन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 5–बालकिशुन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 6–राजेन्द्र पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 7–श्रीमती जियावनकली पत्नी लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 8–रामपाल पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 9–पालकिशुन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टडीठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती। 10–रामकिशुन पुत्र सुखराम निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती। 11–ज्ञानदास पुत्र रामदेव निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 12–राकेश रमन पुत्र रेवती रमन निवासी ग्राम टढ़ौती तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती। 13–अब्दुल मन्नान पुत्र बसालत निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 14–अब्दुल हकीम पुत्र बसालत निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 15–गया प्रसाद पुन जगमोहन निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 16–श्रीमती सावित्री देवी पत्नी राधेश्याम निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 17–श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी रमेश निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 18–श्रीमती निरंजना देवी पत्नी रामप्रसाद निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 19– श्रीमती केसरा पत्नी हरीराम निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 20–कपूर पुत्र विमल निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 21–धर्मू पुत्र विमल निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 22–विरेन्द्र पुत्र विमल निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 23–मुन्नू पुत्र भरथी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 24–रामप्रकाश पुत्र भरथी निवासी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 25–रामदयाल पुत्र भरथी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती

वाजेह हो कि निसार अहमद (मुद्दई) ने आपके नाम एक नालिष बावत दायर की है लेहाजा आपको हुक्म होता है कि आप तारीख 16 माह 5 सन् 2025 ई० बावत बमुकाम अत्तलतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वकई वाकिफ हो और जो कुछ अमर अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ और कोई सक्ष हो कि ऐसे सवालात का जवाब दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दाखिल कीजिए और हरगार वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है। वास्ते इनफिसात कतई मुकदमा के तजबीज हुई है अतः आपको लाजिन हो कि उस रोज अपने जुमला गवाहों को जितकी सहादत पर निजी जुमला दस्तावेज जिस पर आप बताईय अपनी जवाबदेही के इस्ल दाखिल करना चाहतें हो पेश कीजिए।
और आपको इत्तला हो कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगें तो मुकदमा बगैर आपके लतमुआ और फैसला होगा।
बंदगत मेरे दस्तखत वो मुहर अदालत के तारीख 05 माह ०5 सन् 2025 ई० के जारी किया गया।

मजिस्ट्रेट कलेक्टर दर्जा अव्वल
05–05–2025

सम्मन बगरज इनफिंसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 वो 5 मजमुआ जाप्ता दिवानी सन् 1901 ई०)
नम्बर मुकदमा / कम्प्यूटरित वाद संख्या–डी 20251710000313
अदालत न्यायालय कलेक्टर प्रथम श्रेणी/जिलाअधिकारी बस्ती।

मो०रजा (मुददई)
बनाम
बुधिराम आदि (मुद्दालेह)

बनाम 1 – उमाशंकर पुत्र मुक्तनाथ निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 2– दिनेश कुमार भारती पुत्र सत्यनारायन निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 3–राम जियावन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 4–जयकिशुन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 5–बालकिशुन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 6–राजेन्द्र पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 7–श्रीमती जियावनकली पत्नी लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 8–रामपाल पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 9–पालकिशुन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टडीठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती। 10–रामकिशुन पुत्र सुखराम निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती। 11–ज्ञानदास पुत्र रामदेव निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 12–राकेश रमन पुत्र रेवती रमन निवासी ग्राम टढ़ौती तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती। 13–अब्दुल मन्नान पुत्र बसालत निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 14–अब्दुल हकीम पुत्र बसालत निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 15–गया प्रसाद पुन जगमोहन निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 16–श्रीमती सावित्री देवी पत्नी राधेश्याम निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 17–श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी रमेश निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 18–श्रीमती निरंजना देवी पत्नी रामप्रसाद निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 19– श्रीमती केसरा पत्नी हरीराम निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 20–कपूर पुत्र विमल निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 21–धर्मू पुत्र विमल निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 22–विरेन्द्र पुत्र विमल निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 23–मुन्नू पुत्र भरथी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 24–रामप्रकाश पुत्र भरथी निवासी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 25–रामदयाल पुत्र भरथी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती

वाजेह हो कि निसार अहमद (मुद्दई) ने आपके नाम एक नालिष बावत दायर की है लेहाजा आपको हुक्म होता है कि आप तारीख 16 माह 5 सन् 2025 ई० बावत बमुकाम अत्तलतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वकई वाकिफ हो और जो कुछ अमर अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ और कोई सक्ष हो कि ऐसे सवालात का जवाब दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दाखिल कीजिए और हरगार वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है। वास्ते इनफिसात कतई मुकदमा के तजबीज हुई है अतः आपको लाजिन हो कि उस रोज अपने जुमला गवाहों को जितकी सहादत पर निजी जुमला दस्तावेज जिस पर आप बताईय अपनी जवाबदेही के इस्ल दाखिल करना चाहतें हो पेश कीजिए।
और आपको इत्तला हो कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगें तो मुकदमा बगैर आपके लतमुआ और फैसला होगा।
बंदगत मेरे दस्तखत वो मुहर अदालत के तारीख 05 माह ०5 सन् 2025 ई० के जारी किया गया।

मजिस्ट्रेट कलेक्टर दर्जा अव्वल
05–05–2025

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सि0 निगरानी सं0– 51/2023
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती शान्ती आदि
बनाम
श्रीमती प्रभावती आदि

1. श्रीमती प्रभावती उम्र 60 वर्ष पत्नी रामजनक 2. रामजनक उम्र 62 वर्ष पुत्र राममिलन निवासी मौजा कटरा खुर्द तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 3. मनोज कुमार उम्र 38 वर्ष पुत्र रघुनाथ सहाय साकिन मड़वानगर टोला बडेवन तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 26–05–2025

अपील बनराजी फै0 अदालत सिविल जज (सी0डि0) मुकाम बस्ती
मयरिखा 20 महीना 11 सन् 2023 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 26 महीना 05 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

सम्मन बगरज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 वो 5 मजमुआ जाप्ता दिवानी सन् 1901 ई०)
नम्बर मुकदमा/कंम्प्यूटरित वाद संख्या–डी 20251710000315 अदालत न्यायालय कलेक्टर प्रथम श्रेणी/ जिलाअधिकारी बस्ती।

जगराम (मुद्दई)
बनाम
संजय आदि (मुद्दालेह)

बनाम 1 – उमाशंकर पुत्र मुक्तनाथ निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 2– दिनेश कुमार भारती पुत्र सत्यनारायन निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 3–राम जियावन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 4–जयकिशुन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 5–बालकिशुन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 6–राजेन्द्र पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 7–श्रीमती जियावनकली पत्नी लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 8–रामपाल पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 9–पालकिशुन पुत्र लक्ष्मी निवासी ग्राम टडीठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती। 10–रामकिशुन पुत्र सुखराम निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती। 11–ज्ञानदास पुत्र रामदेव निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 12–राकेश रमन पुत्र रेवती रमन निवासी ग्राम टढ़ौती तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती। 13–अब्दुल मन्नान पुत्र बसालत निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 14–अब्दुल हकीम पुत्र बसालत निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 15–गया प्रसाद पुन जगमोहन निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 16–श्रीमती सावित्री देवी पत्नी राधेश्याम निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 17–श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी रमेश निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 18–श्रीमती निरंजना देवी पत्नी रामप्रसाद निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 19– श्रीमती केसरा पत्नी हरीराम निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 20–कपूर पुत्र विमल निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 21–धर्मू पुत्र विमल निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 22–विरेन्द्र पुत्र विमल निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 23–मुन्नू पुत्र भरथी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 24–रामप्रकाश पुत्र भरथी निवासी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती 25–रामदयाल पुत्र भरथी निवासी ग्राम टड़ौठी तप्पा छपिया परगना रसूलपूर तहसील भानपुर जिला बस्ती

वाजेह हो कि निसार अहमद (मुद्दई) ने आपके नाम एक नालिष बावत दायर की है लेहाजा आपको हुक्म होता है कि आप तारीख 16 माह 5 सन् 2025 ई० बावत बमुकाम अत्तलतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वकई वाकिफ हो और जो कुछ अमर अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ और कोई सक्ष हो कि ऐसे सवालात का जवाब दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दाखिल कीजिए और हरगार वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है। वास्ते इनफिसात कतई मुकदमा के तजबीज हुई है अतः आपको लाजिन हो कि उस रोज अपने जुमला गवाहों को जितकी सहादत पर निजी जुमला दस्तावेज जिस पर आप बताईय अपनी जवाबदेही के इस्ल दाखिल करना चाहतें हो पेश कीजिए।
और आपको इत्तला हो कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगें तो मुकदमा बगैर आपके लतमुआ और फैसला होगा।
बंदगत मेरे दस्तखत वो मुहर अदालत के तारीख 05 माह ०5 सन् 2025 ई० के जारी किया गया।

मजिस्ट्रेट कलेक्टर दर्जा अव्वल
05–05–2025

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–506/2024

रामलाल आदि
बनाम
श्रीमती आदि

1. श्रीमती उम्र 40 वर्ष पत्नी बृजमोहन 2. राधेश्याम उम्र 35 वर्ष 3. श्याम लाल उम्र 55 वर्ष पुत्रगण झिनकान 4. राजेन्द्र 5. नरेन्द्र 6. ठाकुर प्रसाद 7. लालजी 8. पंकज कुमार पुत्रगण हरीलाल निवासीगण मदनपुरा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 9. आशा देवी पत्नी राजू साकिन भदावल हाल मुकाम भकरही तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 05 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1044/2019

आशुतोष
बनाम
तालुकदार प्रसाद शर्मा आदि

1. तालुकदार प्रसाद शर्मा पुत्र रामशंकर शर्मा 2. श्रीमती उरेहा देवी पत्नी रामफेर साकिनान मौजा भटहाजंगल तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. आशाराम 4. शोभाराम पुत्रगण राम बुझारत साकिनान मौजा भटहाजंगल तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती –प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 28–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 05 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

वैवाहिक समारोह में शामिल होने जा रहे चाचा–भतीजे की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता–अयोध्या। सोमवार की रात लखनऊ की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार युवकों को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। दोनों युवक रिश्ते में चाचा–भतीजा थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हादसे की जानकारी ली। हादसा लखनऊ–अयोध्या हाईवे पर पटरंगा के रानीमऊ चौराहा के पास हुआ। यहां देर रात मां संतोषी मंदिर के सामने हाईवे पर दो युवक लखनऊ की ओर जा रहे थे। पीछे से एक तेज रफ्तार वाहन ने जोरदार टक्टर मार कर दी। इसके बाद आरोपी चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। घटना के बाद आसपास चौराहे पर मौजूद लोग भागकर पहुंचे। उन्होंने युवकों को सड़क के किनारे किया। बाइक को हाईवे से हटाकर किनारे किया। साथ ही इसकी सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मवई भेजा। यहां प्राथमिक उपचार के दौरान ही दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रौनाही के बुलालपुर निवासी अनिल निषाद (28) और आकाश निषाद (32) के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों बाइक सवार रामसनेही घाट नगर पंचायत के ताला गांव एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। हाईवे चौकी प्रभारी ६ र्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–T202317140301996
अदालत– श्रीमान तहसीलदार (न्यायिक) बस्ती जिला–बस्ती

कामेश्वर सिंह
बनाम
रानी लक्ष्मी कुमारी देवी

1. राजा ऐश्वर्यराज सिंह पुत्र स्व0 लक्ष्मेश्वर सिंह निवासी ग्राम बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
2. रानी आशिमा सिंह पत्नी स्व0 लक्ष्मेश्वर सिंह निवासी ग्राम बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 14–05–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 14 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com